INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

Class: VIII	Department: Hindi (2nd Lang)	Date of submission:
Study Material	Topic: उपसर्ग,विलोम,मुहावरे,वाक्य शुद्धि	Note: Pls. write in your Hindi note book

उपसर्ग

संस्कृत एवं संस्कृत से उत्पन्न भाषाओँ में उस शब्दांश या अव्यय को उपसर्ग कहते हैं , 'जो किसी शब्द के आरंभ में जुड़कर उसके अर्थ में (मूल शब्द के अर्थ में) विशेषता ला दे या उसका अर्थ ही बदल दे'। शब्दांश होने के कारण स्वतंत्र रूप से उपसर्गों का कोई महत्व नहीं माना जाता है। उपसर्ग शब्द के पहले आते हैं।यह दो शब्दों (उप+सर्ग) के योग से बनता है। 'उप' का अर्थ 'समीप', 'निकट' या 'पास में' है। 'सर्ग' का अर्थ है सृष्टि करना अर्थात निर्माण करना।

उदाहरण :- 'हार' एक शब्द है जिसका अर्थ होता है 'पराजय'। लेकिन इसके आगे 'आ' उपसर्ग लगने से नया शब्द बनेगा जैसे 'आहार' जिसका मतलब होता है 'भोजन'। और यदि इसी 'हार' के पहले 'प्र' उपसर्ग लगा दिया जाए, तो एक नया शब्द 'प्रहार' बन जाता है, जिसका नया अर्थ हुआ 'मारना'।

निम्नलिखित उपसर्गों से दो-दो शब्द बनाइए

1 अप- अपमान, अपशब्द

2 अव -अवकाश, अवगुण

3 दुर् - दुर्जन, दुर्घटना

4 परा -पराधीन, पराक्रम

5 अन -अनमोल, अनकही

6 चौ - चौमासा,चौराहा

7 बद - बदनाम, बदसूरत

8- हम - हमशक्ल, हमजोली

9 कु -कुविचार, कुमार्ग

10 प्र -प्रबल, प्रहार

विलोम शब्द

1 आगमन - प्रस्थान

2 आस्था - अनास्था

3 आदि -अंत

4 कंजूस - दानी

5 उदार - अनुदार

6 निंदा -प्रशंसा

7 निरक्षर - साक्षर

8 कोमल -कठोर

9 चेतन - जड़

10 गुण - अवगुण

वाक्य शुद्धि

सर्वनाम संबंधी वाक्य शुद्धि

1 मेरे पास तेरे को देने के लिए कुछ नहीं है ।

उ - मेरे पास तुम्हें देने के लिए कुछ नहीं है ।

2 उन्होंने कहाँ जाना है ।

उ- उन्हें कहाँ जाना है ।

3 हमारे को तुमसे कुछ काम है ।

उ- हमें तुमसे कुछ काम है ।

4 वह लड़के को बुला लाओ ।

उ- उस लड़के को बुला लाओ ।

5 यह अच्छी सब्जियाँ नहीं हैं ।

उ- ये अच्छी सब्जियाँ नहीं हैं ।

6 हमने हमारा भोजन समाप्त कर लिया है ।

उ- हमने अपना भोजन समाप्त कर लिया है ।

7 कोई लोग बाहर खड़े थे ।

उ- कुछ लोग बाहर खड़े थे ।

कारक संबंधी वाक्य शुद्धि

1 बच्चा छत पर से गिर गया ।

उ- बच्चा छत से गिर गया ।

2 पतंगें आकाश पर उड़ रहीं हैं ।

उ- पतंगें आकाश में उड़ रहीं हैं ।

3 मनोज ने अपना काम करना है ।

उ - मनोज को अपना काम करना है ।

4 उसको कपड़ा सिलना नहीं आता ।

उ - उसे कपड़ा सिलना नहीं आता ।

5 मेरे से अब चला नहीं जाता ।

उ - मुझसे अब चला नहीं जाता ।

मुहावरे -

'मुहावरा' शब्द अरबी भाषा से लिया गया है, जिसका अर्थ होता है-अभ्यास। हिंदी भाषा को सुंदर और प्रभावशाली बनाने के लिए हम मुहावरों और लोकोक्तियों का प्रयोग करते हैं। मुहावरा ऐसा शब्द-समूह या वाक्यांश होता है जो अपने शाब्दिक अर्थ को छोड़कर किसी विशेष अर्थ को प्रकट करता है। विशेष अर्थ में प्रयुक्त होने वाले ये वाक्यांश ही मुहावरे कहलाते हैं। इनके विशेष अर्थ कभी नहीं बदलते। ये सदैव एक-से

रहते हैं। ये लिंग, वचन और क्रिया के अनुसार वाक्यों में प्रयुक्त होते हैं। इस प्रकार जो वाक्यांश अपने सामान्य अर्थ को छोड़कर विशेष अर्थ को प्रकट करता है, वह मुहावरा कहलाता है।

नीचे कुछ महत्वपूर्ण मुहावरे दिए जा रहे हैं -

1 अगर-मगर करना (टाल-मटोल करना) - माँ ने अंकित से पढ़ने के लिए कहा तो वह अगर-मगर करने लगा।
2 आँखें खुलना (होश आना) - जब पांडव जुए में अपना सब कुछ हार गए तो उनकी आँखें खुलीं।
3 आँखों में धूल झोंकना (धोखा देना) - ठग यात्री की आँखों में धूल झोंककर उसका सामान लेकर भाग गया।
4 ईद का चाँद होना (बहुत दिनों बाद दिखाई देना) - अरे आयुष! कहाँ रहते हो? तुम तो ईद का चाँद हो गए हो।
5 कमर कसना (चुनौती के लिए तैयार होना) - भारतीय सैनिक हर संकट के लिए कमर कसे रहते हैं ।
6 खून-पसीना एक करना (कठोर परिश्रम करना) - खून-पसीना एक करके ही हम, अपने लक्ष्य तक पहुँच सकते हैं।
7 गड़े मुर्दे उखाड़ना (पुरानी बातें दुहराना) - गड़े मुर्दे उखाड़कर रोने से कोई फायदा नहीं होता।
8 घोड़े बेचकर सोना (निश्चिंत रहना) - परीक्षा देने के बाद आयुष घोड़े बेचकर सो रहा है।
9 चिकना घड़ा (कुछ असर न होना) - राम पर किसी भी बात का कोई असर नहीं होता, वह तो चिकना घड़ा है।
10 छक्के छुड़ाना (बुरी तरह हराना) - भारतीय क्रिकेट टीम ने पाकिस्तानी टीम के छक्के छुड़ा दिए।
==========